```
ा लतार्क-दुरुमाै [तत्र हिति]
```

2 [ऽय] मलीषधं॥ १३॥

- 3 लप्रुनं गृञ्जनारिष्ट^b-मङ्गकन्द-एसोनकाः।
- 4 पुनर्नवा [ति] शोधघ्री

वितुन्नं सुनिषणकं ॥ १४ ॥

- 6 [स्याद्] वातकः शीतलो ^६ऽपराजिताशनपण्य् ^व [स्रापि]।
- ⁷ पाग्वताङ्घिः करभी पण्या^६ ज्योतिष्मती लता ॥ १५ ॥
- 8 वार्षिकं त्रायमाणा [स्यात्] त्रायन्ती बलभद्रिका।
- 9 विष्वक्सेनिप्रया गृष्टिर् वाराही वदरे-[-त्यपि] ॥ १६॥
- 10 मार्कवो ^ह भृङ्गाजः े [स्यात्]

वाकमाची [तु] वायसी।

- 12 शतपुष्पा ं सितक्रजातिक्रजा ं मधुरा मिसिः ॥ १९॥
- 15 स्रवाक्षपृष्पी कार्वी [च]

14 सर्णा 1 [तु] प्रसार्णी।

A. ascalonicum. — (1) Ognon vert. — (2,3) Ail. — (4) Plante purgative, boerhavia diffusa alata. — (5) Espèce d'herbe potagère, marsilea dentata, R. — (6) Asan-parnî [vulg.] * marsilea quadrifolia, Wils. Dict. — (7) Pois de merveille, cardiospermum halicacabum. — (8) Trâyamân'â. — (9) Vârâhî, ou tchâmârâlou [vulg.] dioscorea. — (10) Bhringariva [vulg.] eclipta ou verbesina prostrata. — (11) Herbe potagère, solanum trilobum? * S. indicum, Wils. Dict. — (12, 13) Sonph, anis ou plutôt anethum sowa, R. [Quelques-uns appliquent les deux derniers termes à une plante différente.] — (14, et p. 112, l. 1.) Gandhabhâdâliyâ [vulg.] pæ-

* Egalement दुर्दुमः — " गृञ्जन-म्रिष्टः — " Ou श्रीतलवातकः — " म्रप्राजिता म्रश्रानपार्गे et श्रापपार्गे. — " Aussi पिएया. — " Également दृष्टिः. — " Également मार्करः — " Aussi भृङ्गराजन् [-जा] et भृङ्गराजस् neut. — " Ou सतपुष्पाः — " सितङ्जा मिल्जाः — " Et मिश्रिः ou मिषिः — " Aussi सर्पारे.